''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, | अंक 108 | पृष्ठ 08 | मूल्य 01 रूपए | शनिवार, 19 अप्रैल 2025 | samachargate@gmail.com

पेज–03

आयुर्वेद के चिकित्सक अब ब्रांड अंबेसडर बनकर पूरे विश्व तक पहुंचाएंगे भारत की प्राचीन आयुर्वेद पद्धति को : बंडारू दत्तात्रेय

श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में 126 विद्यार्थियों स्नातक व स्नातकोत्तर की दी उपाधि

26 उपाधि धारकों को स्वर्ण पदक देकर किया सम्मानित,पदम् भूषण वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा को डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से नवाजा

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह की स्मारिका का किया विमोचन

समाचार गेट/नरवीर यादव

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में डिग्री हासिल करने वाले चिकित्सक अब पूरे विश्व में भारत की प्राचीन आयुर्वेद पद्धति को पहुंचाएंगे। इस प्राचीन आयुर्वेद पद्धति की आज पूरे विश्व के स्वास्थ्य जगत में मांग है। इतना ही नहीं आने वाले समय में आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय शुक्रवार को श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के 9 करोड़ 50 लाख की लागत से निर्मित ऑडिटोरियम हॉल का शुभारंभ किया। इसके उपरांत राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय,आयुष विभाग भारत सरकार के सचिव पदम श्री वैद्य राजेश कोटेचा, शासी निकाय राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्म भूषण वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा, श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान ने दीपशिखा प्रज्वलित करके विधिवत रूप से प्रथम दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया। इस दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की उपस्थिति में 126 विद्यार्थियों को स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री देकर सम्मानित किया। इनमें से 26 उपाधि धारकों को स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया है। इस दीक्षांत समारोह में शासी निकाय राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं गोल्ड पदम् भूषण वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा को डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से नवाजा गया। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन किया।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के जनक है। वे हिंदू धर्म में चिकित्सा के देवता और आयुर्वेद के प्रवर्तक बताए गए हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, धन्वंतरी भगवान विष्णु के अवतार हैं और समुद्र मंथन के दौरान क्षीर सागर से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उनके चार हाथों में शंख, चक्र, औषधि और अमृत कलश थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पद्धतियों में आयुर्वेद का महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन काल में इसी पद्धति द्वारा इलाज किया जाता था, लेकिन विज्ञान के विकास और चिकित्सा पद्धतियों में हुए अनुसंधान से आयुर्वेद का प्रचलन कम हो गया। पूर्व में इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया गया। जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ है, तब से इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति को महत्व मिलना शुरू हुआ है। केन्द्र सरकार ने आयुष विभाग को लगभग चार हजार करोड़ रूपये आवंटित करके पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को सुदृढ़ करने का बीड़ा उठाया है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्राचीन चिकित्सा पद्धति के उत्थान के लिए कुरुक्षेत्र में देश का पहला श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय स्थापित किया। विश्वविद्यालय ने लगभग सौ एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है, जो इसके भविष्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस भूमि पर शीघ्र ही आधुनिक भवनों, शिक्षण सुविधाओं, और अनुसंधान केंद्रों का निर्माण शुरू होगा। पंचकूला में लगभग 270 करोड़ रुपये की लागत से 250 बिस्तरों वाले राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना की जा रहीं है, जिसमें ओ.पी.डी. शुरू कर दी गई हैं। इस संस्थान में 100 बिस्तर आयुर्वेदिक उपचार के लिए तथा 150 बिस्तर प्राकृतिक चिकित्सा के लिए रखे गए हैं। छात्रों को आयुर्वेद की शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. की कक्षाएं भी शुरू की गई हैं। इस संस्थान का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है।

उन्होंने कहा कि गांव पटीकरा, जिला नारनौल में बाबा खेता नाथ सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए तीस बी.ए.एम.एस. सीटों के तीसरे बैच के लिए दाखिले दिये गये हैं। कोरोना काल के दौरान आयुर्वेद के महत्व को दोबारा बल मिला और इसका प्रयोग बढ़ा है। इस महामारी के दौरान लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के आशाजनक व अविश्वसनीय परिणाम देखने को मिले। आयुर्वेद द्वारा इलाज ने अपनी सार्थकता को प्रमाणित किया और लोगों को इससे स्वास्थ्य लाभ मिला। आयुर्वेद ने लोगों को इस भयंकर महामारी से निजात दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि भारतीय योग का प्रचार विश्व भर में हुआ है। अब 150 देशों में योग के कार्यक्रम को आयोजित कर मनाया जाता है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय ने पारंपरिक चिकित्सा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पढ़ाने का जो मॉडल अपनाया है, वह अनुकरणीय है। यहां के शोध कार्यों ने आयुर्वेद, योग और होम्योपैथी के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। आयुर्वेदिक औषधियों की प्रभावशीलता पर किए गए शोध कार्यों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनेक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। यह आपकी प्रतिभा और विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है।

पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुर्वेद पद्धति को आगे बढ़ाने का काम किया। जिसके चलते वर्ष 2014 के बाद देश में 10वां विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है। इस आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है, इस दीक्षांत समारोह में मेडल व डिग्री हासिल करने वाले अधिकतर विद्यार्थियों को सरकारी नौकरियां मिल चुकी है। सरकार के आयुष पोर्टल पर 43 हजार से ज्यादा पब्लिकेशन देखे जा सकते है। आज विश्व में 50 प्रतिशत लोग आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज करवाने में विश्वास रखते है। पदम भूषण वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा ने कहा कि डिग्री हासिल करने वाले चिकित्सकों को अब समाज में जाकर शुद्ध रूप से आयुर्वेद पद्धति से लोगों का इलाज करना चाहिए। इस पद्धति का फायदा कोरोना काल में लोगों को देखने को मिला है।

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान ने मेहमानों का स्वागत किया और कुलसचिव प्रोफेसर विजेन्द्र सिंह तोमर ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. रणधीर सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष तजेन्द्र सिंह गोल्डी, जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, नप थानेसर चेयरमैन माफी ढांडा, चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा, निदेशक डा. प्रीतम सिंह आदि शिक्षक व अधिकारीगण मौजूद रहे।

पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन पटना में लिए संकल्प पर कार्य की योजना बनाई

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्राइड लोक सभा के वरिष्ठ अधिकारियों से की चर्चा।

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के पटना सम्मेलन में लिए संकल्प तथा 'एक राष्ट्र-एक विधान' विजन का क्रियान्वयन करने के लिए वीरवार और शुक्रवार को लोक सभा के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। विधान प्रारूपण में 36वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शिष्टमंडल के साथ पहुंचे कोर्स डायरेक्टर डॉ. के.एन. चतुर्वेदी और प्राइड के उप-सचिव सुनील मिनोचा आदि से हुई बातचीत में विधान सभा के अनेक आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हरियाणा विधान सभा सचिवालय संवैधानिक मूल्यों के जन-जन तक प्रचार प्रसार की योजना बना रहा है। हरियाणा विधान सभा में हाल ही में हुई युवा संसदों पर भी चर्चा की गई। विस अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं व जनता को प्रोत्साहन मिलता है। इस कड़ी में भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम प्रदेश में जारी रखने की योजना पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं व युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास होंगे। पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के प्रतिनिधियों के भी कार्यक्रम होंगे। इसके लिए बड़े स्तर पर योजना बनाई जा रही है।

हरियाणवीं लोक धुनों पर थिरके विदेशी मेहमान

विधान प्रारूपण में 36वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चंडीगढ़ पहुंचा 13 देशों के 27 सदस्यीय तथा लोक सभा अधिकारियों के शिष्टमंडल में शामिल प्रतिनिधि हरियाणवी लोकधुनों पर जमकर थिरके। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण भी मौजूद रहे। उन्होंने विदेशी मेहमानों की हौंसलाअफजाई की। विस अध्यक्ष ने उनके साथ भोजन किया और संसदीय प्रणाली पर अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के कलाकारों ने विभिन्न वाद्य यंत्रों पर हरियाणवी और राजस्थानी लोक धुनों का जादू बिखेरा, जिस पर विदेशी शिष्टमंडल के सदस्य झूम उठे। टीम का नेतृत्व प्रमुख शहनाई वादक लोकेश आनंद ने किया। संगीतकारों ने वाद्य यंत्रों से ऐसा समां बांधा कि विदेशी प्रतिनिधिमंडल में शामिल युवक-युवतियां थिरकते नजर आए।

मुख्यमंत्री सैनी को सौंपा गया ज्ञापन, पिछड़े वर्गों, पेंशनर्स की मांगों को लेकर सुरेन्द्र वर्मा कोथ के नेतृत्व में आवाज

समाचार गेट/ब्यूरो

जींद। हरियाणा सरकार के समक्ष पिछड़े वर्गों और पेंशनभोगियों की प्रमुख मांगों को लेकर लोक संपर्क विभाग के सेवानिवृत्त डीआईपीआरओ सुरेन्द्र वर्मा कोथ ने शिष्टमंडल सहित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को चंडीगढ़ स्थित संत कुटीर भवन आवास पर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से सोनी समाज, पिछड़ा वर्ग (बीसी-ए व बी), और रिटायर्ड कर्मचारियों से संबंधित ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

रिटायर्ड कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

सुरेन्द्र वर्मा, जो, के जिला मीडिया प्रभारी भी हैं, ने मुख्यमंत्री को बताया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं:

65, 70 और 75 वर्ष की आयु पर मूल पेंशन में क्रमशः 5%, 10% और 15% की वृद्धि।

मेडिकल भत्ता 3000 प्रति माह किया जाए तथा अनलिमिटेड कैशलेस मेडिकल सुविधा दी जाए।

फैमिली पेंशनर्स को एलटीसी सुविधा प्रदान की जाए।

कम्यूटेशन रिकवरी की अवधि 15 वर्षों से घटाकर 10 वर्ष की जाए।

चश्मा, दांत व श्रवण यंत्रों के लिए दी जाने वाली राशि बढ़ाकर कम से कम 10,000 की जाए।

माननीय न्यायालयों के निर्णयों को सामान्यीकृत कर तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए।

सोनी समाज व पिछड़े वर्गों की प्रमुख मांगें

ज्ञापन में सोनी समाज व बीसी वर्ग (ए और बी) के लिए सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक हिस्सेदारी को लेकर निम्न मांगें रखी गईं:

हरियाणा स्वर्ण कला बोर्ड का गठन किया जाए। क्लास-I और क्लास-II नौकरियों में बीसी-ए को 16% और बीसी-बी को 11% आरक्षण दिया जाए, जिससे कुल 27% आरक्षण सुनिश्चित हो। बीसी वर्ग के लिए बैकलॉग भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। क्रीमीलेयर की शर्त हटाकर वास्तविक पिछड़े वर्गों को लाभ दिया जाए। हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया जाए। सभी बोर्ड, निगम, न्यायपालिका, प्रशासन, शिक्षण संस्थान आदि में समान भागीदारी और आरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

2026 की जनगणना के आधार पर विधानसभा और लोकसभा में बीसी-ए व बी को अनुपातिक आरक्षण दिया जाए।

बेरोजगार युवाओं और छात्रों के लिए सुझाव

बीसी युवाओं को बिना गारंटी पर सबसिडी सहित 10 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाए।

स्ट की तर्ज पर BC विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाएं दी जाएं।

हरियाणा कौशल रोजगार निगम में भी क्ष्ट वर्ग के लिए आरक्षण लागू किया जाए।

अन्य नेताओं को भी सौंपा गया है ज्ञापन

इससे पूर्व यह ज्ञापन हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, कृष्णलाल पंवार, महीपाल ढांडा, कृष्ण कुमार बेदी, डिप्टी स्पीकर डा. कृष्णलाल मिढ़ा, विधायक देवेंद्र अत्री और राजकुमार गौतम, रणधीर सिंह पनिहार, हरियाणा कौशल विकास बोर्ड के चेयरमैन यशपाल ठाकुर, राज्य सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधियों को भी सौंपा जा चुका है।

निष्कर्ष

सुरेन्द्र वर्मा कोथ ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इन मांगों पर सकारात्मक विचार करेंगे और जल्द ही पिछड़े वर्गों व पेंशनर्स को राहत देने के ठोस कदम उठाएंगे।

हरियाणा राज्य सेवा आयोग ने राइट टू सर्विस एक्ट के तहत नायब तहसीलदार पर लगाया जुर्माना

शिकायतकर्ता को मिलेगा 5 हजार मुआवजा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने एक महत्वपूर्ण आदेश में, हिसार तहसील के नायब तहसीलदार द्वारा समयबद्ध सेवा प्रदान न किए जाने पर कड़ी कार्रवाई की है। यह मामला हिसार के गांव बीड़ में भूमि हस्तांतरण एवं म्युटेशन प्रक्रिया में हुई देरी से संबंधित है।

आयोग के प्रवक्ता ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि हिसार निवासी श्रीमती सुमेधा जिंदल द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर सुनवाई करते हुए आयोग ने पाया कि नायब तहसीलदार श्री नवदीप द्वारा दी गई जानकारी तथ्यों के विपरीत थी। उन्होंने यह कहा था कि दि हिसार एनिमल हसबैंड्री को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड के नाम भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया जून 2024 से शुरू होकर अक्टूबर 2024 में पूर्ण हुई, जबकि उस अवधि में वास्तव में केवल कुछ ही विक्रय विलेख हुए थे।

इसके अतिरिक्त, हरियाणा सरकार की अधिसूचना दिनांक 16 मार्च 2021 के अनुसार, विक्रय विलेख पंजीकरण के दिन ही म्युटेशन प्रक्रिया स्वतः आरंभ हो जानी चाहिए थी। जबकि इस मामले में पंजीकरण और म्युटेशन एंट्री के बीच अत्यधिक विलंब हुआ, और म्युटेशन की प्रविष्टि 23 दिसंबर 2024 को तब की गई जब आयोग ने 17 दिसंबर 2024 को इस पर संज्ञान लिया। इतना ही नहीं, आयोग ने पाया कि जिन विलेखों का पंजीकरण शिकायतकर्ता के बाद हुआ था, उनका म्युटेशन पहले दर्ज कर लिया गया। यह स्पष्ट रूप से भेदभाव और सेवा में देरी को दर्शाता है।

राज्य सेवा आयोग ने नायब तहसीलदार श्री नवदीप को सेवा में लापरवाही और शिकायतकर्ता को उत्पीड़ित करने का दोषी पाया है। हरियाणा राइट टू सर्विस एक्ट, 2014 की धारा 17(1)(एच) के तहत 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही, शिकायतकर्ता को 5 हजार रुपये का मुआवजा भी प्रदान करने के आदेश दिए गए हैं। आयोग द्वारा उपायुक्त, हिसार को निर्देश दिया गया है कि अप्रैल 2025 के वेतन से यह राशि काटकर राज्य कोष में जमा कराई जाए तथा मुआवजा शिकायतकर्ता को प्रदान किया जाए।

औरत है पहचान देश की...

किसी देश की प्रगति के बारे में जानना है तो वहां की महिलाओं की स्थिति के बारे में पहले जानना चाहिए। इसमें संदेह नहीं है कि विपरीत परिस्थितियों में रहने के बावजूद संसार में सबसे अधिक संख्या में बुद्धिजीवी महिलाएं भारत में हैं और अतीत में भी थीं।

यह सदी वास्तव में महिला सदी है, जिसमें औरत हर क्षेत्र में न केवल मर्द के संग कदम-से-कदम मिलाकर चली है, बल्कि कुछ क्षेत्रों में मर्द से आगे निकलकर उसने इस तर्क को साबित कर दिया है कि मर्द और औरत के दिमाग में कोई फर्क नहीं होता। जबसे धरती पर पुरूष और नारी ने संग रहना शुरू किया, तबसे दोनों की उपलब्धियों में बराबर का विकास होता रहा है। चाहे उसका स्वरूप, क्षेत्र, विषय एक-दूसरे से भिन्न रहा हो। हर काल में औरतों ने अपने समय को कला-साहित्य, नृत्य, संगीत, इतिहास व समाजशास्त्र में दर्ज किया है। जरूरत पड़ने पर तलवार भी उठाई है और पति की चिता के साथ जलकर आत्मरक्षा का परिचय भी दिया है। अनपढ़ माताओं ने अपनी ममता और नैतिक संस्कार देकर बच्चों को इस योग्य बनाया कि वे बड़े से बड़े काम अंजाम दे पाए। इन सारे बिखरे गुणों को, जो गुजरी शताब्दियों में अनेक नामों से ग्रंथों में अंकित है, का यदि सामूहिक आकलन हो तो महसूस होता है कि इस सदी की औरत की आवाज क्या है वह इतनी मुखर कैसे हुई वह क्या कहना चाहती है अपने बारे में उसका नजरिया समाज, अर्थ, राजनीति, परिवार, धर्म को लेकर क्या है

सबसे पहली बात जो विश्व स्तर पर समझ में आती है, वह है औरतों को इनसान समझा जाए, उसको बराबरी से जीने का अधिकार दिया जाए। हर राष्ट्र, हर समाज में रहने वाली नारी की यह इच्छा है, जो उसके साहित्य-कला में झलकती है। पर जब हम भारतीय परिवेश में जी रही महिला को इस संदर्भ में देखते हैं, तो महसूस होता है कि यहां तो मर्दों को भी वह सारे अधिकार प्राप्त नहीं है तो फिर औरत वह सब कैसे हासिल कर सकती है विश्व के अनेक देश हैं जहां सियासत और धर्म की सत्ता है, परन्तु भारत एक ऐसा देश है जहां सामाजिक जकड़न है और इस जकड़न के ताने-बाने, धर्म, अर्थ, राजनीति, विचारधारा इत्यादि हैं। इसमें भी संदेह नहीं है कि विपरीत परिस्थितियों में रहने के बावजूद संसार में सबसे अधिक संख्या में बुद्धिजीवी महिलाएं भारत में हैं और अतीत में भी थीं। यह भारत की संस्कृति का एक उज्जवल पक्ष रहा है और उस प्रवृत्ति का भी, जो बड़े सहज रूप में भारतीय औरतों में सदा से विद्यमान रही है। यदि ईसा पूर्व बौद्ध भिक्षुणियों की कविताएं पढ़ें तो ज्ञात होगा कि उनमें जीने की ललक और विद्रोह का स्वर कितना तीखा है।

इतिहास की ओर संकेत का अर्थ अतीत पर इतराना नहीं है, बल्कि उस रेखा की तरफ इशारा करना है जो प्राचीन काल से आज तक औरतों द्वारा खींची गई है, जिसने परिवार को टूटने से बचाया, नैतिक मूल्यों का संरक्षण किया, समाज को एक ठोस जमीन दी। उसी जमीन पर इस सदी की औरत खड़ी है, जिसको सरकार द्वारा बनाई योजनाओं एवं कानून का, महिला संस्थाओं द्वारा पारिवारिक और व्यक्तिगत कठिनाइयों में सहायता का समर्थन काफी हद तक प्राप्त है। वह चाहे तो एक सुखमय जीवन व्यतीत कर सकती है और बहुत-सी औरतों ने कानून को जानकर, योजनाओं को अपनाकर, अपने को बदला है। बाकी औरतें व्यथा एवं कठिनाइयों के अथाह दलदल में फंसी हुई है, क्योंकि वर्ग की असमानता उनकी जीवन शैली को तय करती हैं, इसलिए वे आज भी प्रताड़ित हैं।

काला जामुन विद क्रीम

सामग्री : 250 ग्राम चिकना खोया, 125 ग्राम पनीर, 3 बड़े चम्मच मैदा, 1 बड़ा चम्मच किशमिश, आधा छोटा चम्मच छोटी इलायची पिसी हुई, 500 ग्राम शकर, घी तलने के लिए तथा 250 ग्राम क्रीम सजावट के लिए।

विधि : पानी में शकर मिलाकर डेढ़ तार की चाशनी बना लें। खोए में पनीर मिलाकर अच्छी तरह मसलें। इसमें मैदा डालकर पुन: गूँधे व छोटी लोइयाँ बनाएँ। प्रत्येक लोई को हाथ से चपटा करके बीच में किशमिश और थोड़ा-सा इलायची चूर्ण रखकर बंद करें और गोले का आकार दें। कढ़ाही में घी गरम करके गोलों को गहरा भूरा होने तक धीमी आँच पर तलें, फिर गरम चाशनी में डाल दें।

1 घंटा चाशनी में पड़े रहने दें ताकि चाशनी गोलों में अच्छी तरह भर जाए। एक गहरी सर्विंग डिश में क्रीम को फेंटकर डालें। इसमें सावधानी से काला जामुन सजा दें। आपकी काला जामुन विद क्रीम तैयार।

गर्मी में फायदेमंद है तरबूज

- जिन व्यक्तियों को कब्ज की शिकायत रहती है, उनके लिए तरबूज का सेवन करना अच्छा रहता है, क्योंकि इसके खाने से आँतों को एक प्रकार की चिकनाई मिलती है।
- इसका सेवन उक्त रक्तचाप को बढ़ने से भी रोकता है।
- खाना खाने के उपरांत तरबूज का रस पीने से भोजन शीघ्र पच जाता है। इससे नींद भी अच्छी आती है। इसके रस से लू लगने का अंदेशा भी नहीं रहता।
- मोटापा कम करने वालों के लिए यह उत्तम आहार है।
- पोलियो रोगियों को तरबूज का सेवन करना बहुत लाभकारी रहता है, क्योंकि यह खून को बढ़ाता है और उसे साफ भी करता है। त्वचा रोगों में भी यह फायदेमंद है।
- तपती गर्मी में जब सिरदर्द होने लगे तो तरबूज के आधा गिलास रस को मिश्री मिलाकर पीना चाहिए।
- पेशाब में जलन हो तो ओस या बर्फ में रखे हुए तरबूज का रस निकालकर सुबह शकर मिलाकर पीने से लाभ होता है।
- गर्मी में नित्य तरबूज का ठंडा-ठंडा शरबत पीने से शरीर को शीतलता तो मिलती ही है, चेहरे पर गुलाबी-गुलाबी आभा भी दमकने लगती है। इसके लाल गूदेदार छिल्कों को हाथ-पैर, गर्दन व चेहरे पर रगड़ने से सौंदर्य निखरता है।
- सूखी खाँसी में तरबूज खाने से खाँसी का बार-बार चलना बंद होता है।
- तरबूज की फाँकों पर कालीमिर्च पावडर, सेंधा व काला नमक बुरककर खाने से खट्टी डकारें आना बंद होती हैं।
- धूप में चलने से ज्वर आया तो फ्रिज का ठंडा-ठंडा तरबूज खाने से फायदा होता है।
- तरबूज का गूदा लें और इसे 'ब्लैक हैडस' के प्रभावित एरिया पर आहिस्ता-आहिस्ता रगड़ें। 10 मिनट उपरांत चेहरे को गुनगुने पानी से साफ कर लें।
- अपचन, भूख बढ़ाने तथा खून की कमी में यह प्रयोग काम में लाएँ। एक बड़े तरबूज में थोड़ा-सा छेद करके 200 ग्राम चीनी भर दें। 4-5 दिन तक उस तरबूज को दिन में धूप में तथा रात में चन्द्रमा की रोशनी में रखें। उसके बाद अंदर से पानी निचोड़ लें और छानकर काँच की साफ बोतल में भर लें। यह तरल पदार्थ चौथाई कप की मात्रा में दिन में दो से तीन मर्तबा पीने से उपरोक्त तकलीफों में अत्यंत लाभ होता है।
- पागलपन, दिमागी गर्मी, हिस्टीरिया, अनिद्रा रोगों में तरबूज का गूदा 40 मिनट के लिए सिर पर रखना फायदेमंद होता है।
- तरबूज में विटामिन ए, बी, सी तथा लौहा भी प्रचुर मात्रा में मिलता है, जिससे रक्त सुर्ख व शुद्ध होता है।

मां मत जाओ

आपका जॉब करने का मन है, लेकिन हर बार अपने लाड़ले की यही बात सुनकर रूक जाती है कि मां जॉब मत करो। एक तरफ आपका करियर है, तो दूसरी तरफ बच्चा, जो हर वक्त चाहता है आपके आंचल की छांह। ऐसे में मासूम मन को समझकर ही आप सही निर्णय ले सकती हैं।

'मम्मी आप ऐसे ही अच्छी लगती हो। बाहर काम करने की आपको क्या जरूरत है। मम्मी आप ये रहने दो।' अपने आठ साल के बेटे हर्षित के मुंह से यह बात सुनकर रंजना चौंक गई। हालांकि यह पहला मौका नहीं था जब रंजना ने अपनी खुद की पहचान बनाने के लिए बाहर काम करने की इच्छा जताई थी। लेकिन पहले तो हर्षित टालने भर की कोशिश करता था, पर आज तो उसने साफ शब्दों में बड़े दुखी मन से अपनी मां को जॉब करने से मना कर दिया। ऐसा ही कुछ अनीता के साथ हुआ। जब अनीता ने अपना शौक पूरा करने के लिए बुटीक खोलने का प्रस्ताव रखा, तो उसके बच्चों को छोड़कर परिवार के सभी सदस्यों की सहमति उसे मिल गई। बड़ा बेटा दार्शनिक जो पांचवीं क्लास में पढ़ता है, उसने तो साफ मना कर दिया और कहा कि 'मम्मी आप काम क्यों करना चाहती हैं'

असुरक्षा की भावना

मनोचिकित्सक डॉ. शिव गौतम के अनुसार हर्षित या दार्शनिक जैसी उम्र के बच्चों में असुरक्षा की भावना होती है। यह असुरक्षा बच्चों में किसी अनजाने डर की वजह से नहीं बल्कि अपनी मन:स्थिति से होती है। इस उम्र में बच्चे अपने माता-पिता को अपने नजदीक चाहते हैं और विशेषकर मां को तो वे किसी भी कीमत पर अपने से दूर नहीं होने देना चाहते। उन्हें लगता है कि अगर मां काम करेगी, तो पापा की तरह की उनके लिए मम्मी के पास भी समय नहीं होगा। उनके मन में अकेलेपन से असुरक्षा का भाव हावी रहता है और यही असुरक्षा उनके इंकार के रूप में सामने आती है।

व्यक्ति या घटना का प्रभाव

कई बार जाने-अनजाने में बच्चों के मन पर कोई घटना इतना असर कर जाती है कि वे उससे डरने लगते हैं। यह घटना उनके सामने भी घटित हो सकती है या टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों का प्रभाव भी हो सकता है। कई बार बच्चे अपने साथी बच्चों के जीवन से भी प्रभावित हो जाते हैं और उसे स्थिति से बचने की कोशिश करते हैं। समाजशास्त्री और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुषमा सूद कहती हैं कि कई बार परिवार के ही किसी सदस्य या फिर किसी रिश्तेदार का भय उनके मन में रहता है। यह भय किसी भी तरह का हो सकता है फिर चाहे वह मार-पिटाई का हो या फिर बाल यौन शोषण का। हम समझ नहीं सकते उस वक्त की उनकी मन-स्थिति को, जो उन्हें इतना डरा देती है कि अपनी सुरक्षा, अपनी मां को वो खुद से दूर नहीं होने देना चाहते।

आपका प्यार, आपका साथ

सुनने में तो अजीब है, लेकिन सच है कि आपका प्यार ही आपको काम करने की इजाजत नहीं देता। आप अपने बच्चे के लाड-प्यार में उसके सारे छोटे-बड़े काम खुद करती है। फिर चाहे वो उसके शूज खोलना हो या फिर उसके कमरे को ठीक करना। आपका उसका हर छोटे से छोटा काम करने से वह आप पर पूरी तरह निर्भर हो जाता है। सुबह ब्रश करने से लेकर सोने तक। ऐसे मे जब आप बाहर काम करने की बात कहती हैं, तो उसे आप उसके पापा की तरह लगने लगती हैं, जो शायद ही उसका कोई काम करते हैं। बस इसीलिए बच्चे नहीं चाहते कि उनकी मां जॉब करे।

मां से मन की बात

छोटी उम्र में बच्चे अपने मन की हर बात अपनी मां से ही कहना पसंद करते हैं। किसी और से वे अपने मन की बात शेयर करने में झिझकते हैं। यही कारण है कि उन्हें अपनी मां का जॉब करना अच्छा नहीं लगता।

कुछ ऐसा करें आप विश्वास जीतिए

नि:संदेह आप उससे बेहद प्यार करती हैं और उसके लिए अपनी तमाम इच्छाओं को भी मारती रही हैं, लेकिन आप अपने प्यार से उसके प्यार और विश्वास को पाइए। उसके सामने इस तरह के उदाहरण रखें कि आपके लिए वह सर्वप्रथम है। किसी भी परिस्थिति में आप उसे पूरा समय देंगी।

परिवार का वातारवण

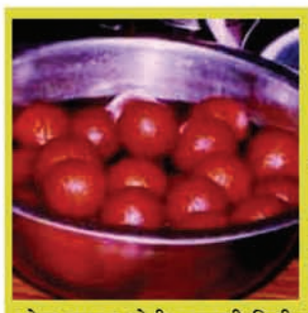

अगर बच्चे के मन में परिवार के किसी सदस्य या किसी रिश्तेदार के प्रति भय घर कर गया है, तो यह निश्चित ही चिंता का विषय है। आपको सबसे पहले उस कारण को ढूंढना होगा जिस वजह से बच्चे में डर पनपा है। डॉ. सुषमा सूद के अनुसार आजकल बच्चों के साथ यौन संबंधी छेड़छाड़ में लड़का या लड़की होना विषय नहीं रह गया है। इसलिए बड़ी सावधानी और विश्वास के साथ बच्चे से हर बात जानने की कोशिश करें।

आत्मनिर्भर बनाएं

बच्चों को उनके छोटे-छोटे काम खुद करने की आदत डालें। जब बच्चा अपने छोटे-छोटे काम स्वयं करे, तो उसे अपने प्यार से पुरस्कृत कीजिए। आपके प्यार से बढ़कर उसके लिए कोई उपहार नहीं हो सकता। अपने प्यार को उसकी ताकत बनाइए। उसे अपने साथ बाहर ले जाएं। ऐसी महिलाओं से मिलवाएं, जो अपने काम के साथ अपने बच्चों की बेहतर परवरिश कर रही है। सिर्फ आप ही उसे यह विश्वास दिला सकती हैं कि आप किसी भी पद पर हों उसकी मां पहले है और रहेगी। आपका यही प्यार और विश्वास आपको अपनी पहचान तो देगा ही, साथ ही इससे आपके बच्चे को मिलेगा स्वस्थ और आत्मनिर्भर बचपन।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3503

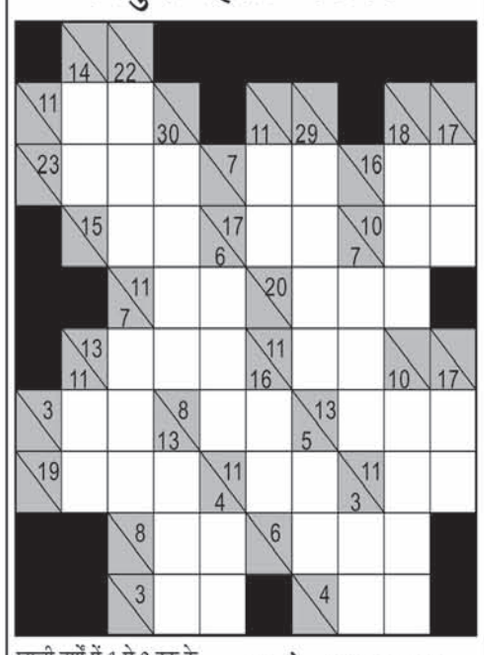

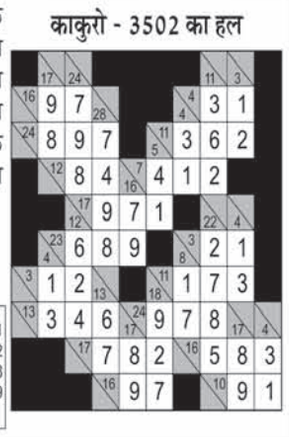

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

काकुरो - 3502 का हल

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

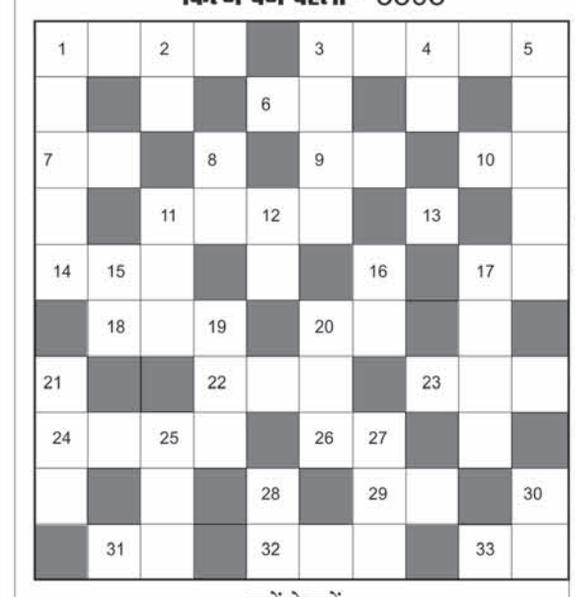

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3503

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन ?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3502

सूडोकु -3503

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3502 का हल

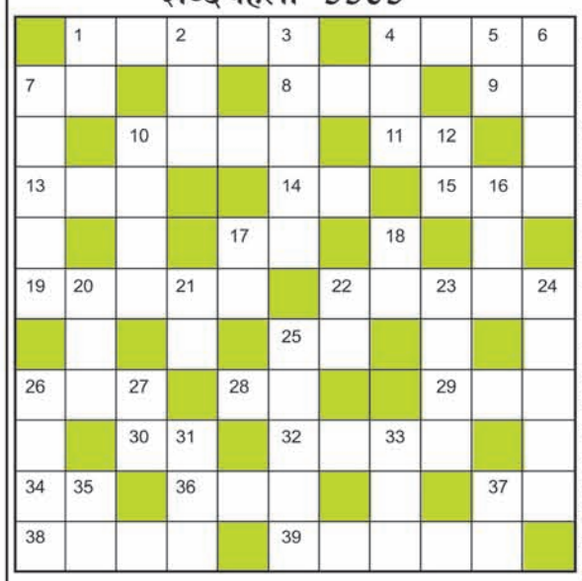

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली -3503

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -3502 का हल

संपादकीय

ममता की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई हिन्दू जान बचाकर भागने में ही लगे रहे

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दु:ख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आततायियों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल,

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं।

मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दु:ख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायियों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हम लोग चुपचाप देखते रहे।

एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम-से-कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है। उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं।

जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाया गया था, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया। यह भी, कि इसके लिए बाकायदा 02 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं।

दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, यह कि हम हिंदुओं को प्रताड़ित करने के लिए किस मुह से यूनुस को दोष दें। उनसे कैसे कहें कि बांग्लादेश में हिंदू असुरक्षित और पीड़ित हैं, जबकि सच तो यह है कि हिंदू बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं।

खेतों में आगजनी करने तथा मना करने पर मारपीट करने के आरोप में एक नामजद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना उपमंडल के गांव कोका में फसल के खेत में आगजनी की नियत से घास-फूस में आग लगाने तथा मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस बारे में कोका निवासी अमीलाल नम्बरदार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सुभाष व धर्मबीर में वैचारिक मतभेद पनप रहे थे। जिनका आपसी फैसला करवाने के लिए वह भी कनीना थाने में आया था। इससे रंजिस रखते हुए सुभाष ने सायं करीब साढे 5 बजे उनके द्वारा बिजाई किए गए गेहूं व सरसों के खेत के समीप मेंढ पर घास-फूस में आग लगा दी। अमीलाल वहां से कुछ दूरी पर ही था जिसने आग बुझाओ-आग बुझाओ की आवाज दी तो बीर सिंह के खेत में जुताई कर रहे टेक्टर से घास-फूस का कनेक्सन काट दिया गया। इस घटना की जानकारी अमीलाल नम्बरदार ने ईआरवी व दमकल विभाग को दी। उन्होंने कहा कि आरोपी सुभाष ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिसका ग्रामीणों ने बीचबचाव किया। घायल अमीलाल को कनीना के अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। पुलिस ने आगजनी व मारपीट करने के आरोपी सुभाष के विरूध बीएनएसस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

तकनीकी त्याग पत्र मामले में नव नियुक्त प्राध्यापकों को राहत, ज्वाइनिंग के लिए मिला 15 अतिरिक्त दिन का समय

प्राध्यापकों ने सलाह संगठन का जताया आभार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हाल ही में नियुक्त हुए प्राध्यापकों को शिक्षा विभाग ने राहत प्रदान करते हुए ज्वाइनिंग के लिए अतिरिक्त 15 दिन का समय दिया है। शुक्रवार को जारी किए गए पत्र के अनुसार अब रेस्ट ऑफ हरियाणा में ज्वाइन करने वाले प्राध्यापकों को 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। प्राध्यापकों ने इसके लिए स्कूल कैडर लेक्चरर्स एसोसिएशन हरियाणा की प्रदेश नूंह इकाई का धन्ववाद किया है।

सलाह संगठन के नूंह जिलाध्यक्ष रमन रोहिल्ला ने बताया कि मेवात कैडर में कार्य कर रहे लगभग 40 प्राध्यापकों का चयन सीधी भर्ती से रेस्ट ऑफ हरियाणा में हो गया था जिसके लिए नवचयनित प्राध्यापकों ने तकनीकी त्याग पत्र का विकल्प चुना लेकिन इस मामले में हुई देरी से नव नियुक्त प्राध्यापकों को ज्वाइनिंग में दिक्कत आ रही थी, सलाह संगठन की नूंह जिला कार्यकारिणी ने जिला अध्यक्ष रमन रोहिल्ला के नेतृत्व में इस संदर्भ में डायरेक्टर और अतिरिक्त मुख्य सचिव से मुलाकात कर मामले को सुलझाया। अब प्राध्यापकों को ज्वाइनिंग के लिए अतिरिक्त 15 दिन का समय दिया गया है। इसके लिए सलाह संगठन की टीम शिक्षा सदन में डेरा डाले हुए है।

नव नियुक्त प्राध्यापकों ने इसके लिए सलाह संगठन की नूंह इकाई और प्रदेश कार्यकारिणी का धन्यवाद किया है।

यह मामला कुछ समय से चर्चा का विषय बना हुआ था और इससे बड़ी संख्या में नव नियुक्त प्राध्यापक मानसिक तनाव की स्थिति में थे। लेकिन सलाह संगठन ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए निरंतर अधिकारियों से संपर्क बनाए रखा तथा प्राध्यापकों के हित में लगातार प्रयास करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलबधि हासिल की है।

सलाह संगठन की सक्रियता एवं सकारात्मक पहल के चलते आज रमन रोहिल्ला के नेतृत्व में निदेशक महोदय से विशेष भेंट कर एक महत्वपूर्ण पत्र जारी करवाया गया, जिसके अंतर्गत सभी नव नियुक्त

प्राध्यापकों के ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि 3 मई 2025 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय न केवल प्राध्यापकों के लिए राहतदायक है, बल्कि शिक्षा विभाग में हो रही प्रक्रियाओं को भी सुव्यवस्थित करता है। यह पत्र निदेशक महोदय के स्तर से जारी किया गया है जो कि सभी संबंधित को भेजा गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अनावश्यक बाधा न उत्पन्न हो।

इसके साथ-साथ यह भी उल्लेखनीय है कि सभी नव नियुक्त प्राध्यापकों की टेक्निकल रिजाइन की फाइलें भी अब अंतिम प्रक्रिया की ओर बढ़ रही हैं। निदेशालय स्तर पर इस संबंध में सकारात्मक वातावरण बना है और बहुत शीघ्र इन फाइलों को स्वीकृति प्राप्त होगी। इससे संबंधित प्राध्यापक बिना किसी मानसिक तनाव के नई नियुक्ति को सुचारु रूप से ग्रहण कर सकेंगे।

इस सफलता के पीछे सलाह संगठन की एकजुटता, दूरदर्शिता और समर्पण भाव से किए गए प्रयास हैं। इस अभियान को सफल बनाने में सलाह राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। अजय मलिक, अनिल सैनी, भूपेंद्र मलिक, राजबीर धारेडू एवं जिला मेवात से जिलाध्यक्ष रमन रोहिल्ला, नाजिम आज़ाद व अनित वशिष्ठ , साबिया जी ने अपनी पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया।

इन सभी सदस्यों ने न केवल निदेशालय से लगातार संपर्क बनाए रखा, बल्कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को वास्तविक स्थिति से भी अवगत कराया और उनके समक्ष ठोस तथ्यों के साथ प्राध्यापकों की कठिनाइयों को प्रस्तुत किया। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि आज नव नियुक्त प्राध्यापकों को एक बड़ी राहत मिली है।

इस निर्णय के बाद सभी नव नियुक्त प्राध्यापकों अंबिका, किरणपाल कौर, लखन सिंह, अजय सतीजा, पूनम, आदि ने सलाह संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए धन्यवाद प्रकट किया है। उन्होंने संगठन के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी सलाह संगठन के साथ जुड़कर शिक्षकों के हितों की रक्षा हेतु सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सलाह संगठन सदैव शिक्षकों की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है और आगे भी इसी प्रकार सकारात्मक दिशा में कार्य करता रहेगा।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने नूंह शहर में चलाया जल संरक्षण अभियान

नूंह के वार्ड 2 में लेंटर वाले रोड पर काटे 25 अवैध पेयजल कनेक्शन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह शहर में दिन-प्रतिदिन हो रही पेयजल की किल्लत के मद्देनजर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने जल संरक्षण अभियान चलाया। इस दौरान शहरवासियों को जल संरक्षण हेतु प्रेरित करने कें साथ-साथ मुख्य पाइप लाइन से आमजन द्वारा अवैद्य रूप सें लगाए गए 25 अवैध पेयजल कनेक्शनों को काटा गया। अभियान के दौरान यह पाया गया कि लोगों ने नूह के वार्ड नंबर 2 कुम्हार मोहल्ला कें मुख्य पाइप लाइन से अवैद्य रूप से आधा इंच से लेकर एक इंच तक के कनेक्शन किये हुए थे। मौके पर ही सभी अवैध पेयजल कनेक्शन उपभोक्ताओं को नामित करके उच्च अधिकारियों के पास अग्रिम कारवाई हेतु भी भेजा गया हैं। जल संरक्षण अभियान के दौरान जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता आबिद हुसैन व कनिष्ठ अभियंता परवेज खान ने बताया की

मुख्य पाद्वप लाइन से अवैध कनेक्शन करना कानूनी अपराध है। इस तरह से कनेक्शन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी कड़ी कारवाई करने के लिए विभाग प्रतिबद्ध है। यदि भविष्य में कोई भी अवैध रूप से कनेक्शन करता है तो विभाग की ओर से जुर्माने के अलावा अन्य कड़ा प्रावधान किया जाएगा।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अमित कुमार संडीला ने कहा कि भविष्य में भी अवैध पेयजल कनेक्शन धारकों के खिलाफ कारवाई की जाती रहेगी। जिला सलाहकार नरेन्द्र भारद्वाज ने बताया की जल संरक्षण हेतु अवैध पेयजल कनेक्शनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, तभी जल संरक्षण अभियान की मुहिम को साकार रूप दिया जा सकेगा। इस जल संरक्षण अभियान में जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम के अलावा पुलिस प्रशासन का भी विशेष सहयोग रहा। मौके पर खंड संयोजक संदीप शर्मा, मोहम्मद जैकम, हरिओम, वहीद फ़िटर अकबर, वहीद, मजीद, आबिद, बिल्ला तथा नौमान तथा इन्फोर्समेंटब्यूरो से करण सिंह व सूरजमल उपस्थित रहे।

सरसों की आवक अधिक होने के कारण रोष्टर वाइज सरसों की खरीद शुरू

कनीना मंडी में लागू की गई व्यवस्था

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना की नयी आनाज मंडी चेलावास शुक्रवार को रोस्टर वाइज सरसों की खरीद की गई। जिसके मुताबिक 18 अप्रैल को अगिहार, बेवल, बागोत भडफ,भोजावास,चेलावास, छितरोली, ढाणा, धनौंदा, दोंगडा अहीर, दोंगडा जाट, गाहडा, गुढा, गोमला, गोमली, इसराना सहित 7865 किसानों की सुबह 11 बजे तक 173340 क्विंटल सरसों की खरीद की गई।

इसी प्रकार पुरानी आनाज मंडी में 1275 किसानों की 41140 क्विंटल गेहूं खरीदी गई। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि सरसों खरीद के लिए रोस्टर बनाया गया है जिसके चलते आज 19 अप्रैल को झाडली, झिगावन, ककराला, कलवाडी, कनीना, कपूरी, करीरा, केमला, खरकडा बास, खेडी, खैराना, कोका, कोटिया, मानपुरा, मोहनपुर, मोडी तथा 21 को मुंडिया खेडा, नांगल, नोताना पडतल, पाथेडा, पोता, रामबास, रसूलपुर, स्याणा, सेहलंग, सिहोर, सुंदरह, तलवाना, उच्चत व उन्हाणी के किसानों से सरसों की खरीद की जाएगी। किसान सुबह 8 बजे से सांय 5 बजे तक मंडी में फसल बेच सकता है। उन्होंने बताया कि कनीना मंडी में 65 पंजीकृत आढती हैं। जिनमें से 21 व्यापारी फसल की खरीद फरोख्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरसों की खरीद स्टेट वेयर हाउस द्वारा की जा रही है जबकि गेहूं की खरीद फूड सप्लाई की ओर से की जा रही है। उठान कार्य में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हरियाणा मे किसानों को दुष्यंत चौटाला की याद आ रही हैं : नासिर हुसैन बदरूद्दीन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। आज जननायक जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नासिर हुसैन बदरूद्दीन ने अपनी टीम के साथ दौरा किया उन्होंने सेकेट्री अनाज मंडी से मुलाकात की नूहँ अनाज मंडी दौरा करने के उपरांत जजपा नेताओं ने बताया कि दुष्यंत चौटाला को सरकार के जाने के बाद किसानों में बड़ी बेकद्री हो रही है किसानों के लिए वजू के पानी की व्यवस्था नहीं हैं गर्मी में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है खाने में कैंटीन उचित व्यवस्था नहीं है। किसानों मज़दूरों में पलेदारों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है मंडी का जनाज़ा निकला हुआ है कि जजपा नेता ने बताया कि जब किसानों से बात की गई तो भाजपा सरकार को कोस रहे थे कोई सुविधा नहीं मिल रही है समय पर काटा नहीं हो रहा समय पर लोडिंग नहीं हो रही है समय पर पैसा नहीं आ रही है इन सारी बातों को लेकर किसानों ने दुष्यंत चौटाला को याद किया।

इस मौके पर नूहँ हल्का अध्यक्ष आस मोहम्मद प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सचिव नसीम अहमद वरिष्ठ नेता उमर मोहम्मद समय सिंह आदि मौजूद रहे।

6 मई से डायरिया के बारे में जागरूक करेगा स्वास्थ्य विभाग

समाचार गेट/ब्यूरो

पलवल। मौसमी बीमारियों के प्रति सतर्कता बरतते हुए बच्चों को डायरिया की चपेट में आने से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से डायरिया पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत 6 मई से की जाएगी और यह दो सप्ताह तक चलेगा। यह पखवाड़ा सामान्य अस्पताल सहित सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मनाया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जा कर डायरिया के बारे में जागरूक करेंगे और डायरिया के कारण, लक्षण और बचाव के उपाय बताएंगे। जिससे कि लोग दैनिक जीवन में सावधानी बरतें और इस तरह की बीमारियों से बच सकें। इसके साथ ही वह ओआरएस का पैकेट और डायरिया के बारे में जानकारी देना व पंफ्लेट भी बांटेंगे। इस अभियान को सामान्य अस्पताल के सीएमओ के नेतृत्व में चलाया जाएगा। इसके बारे में स्कूलों में भी बच्चों को जागरूक किया जाएगा। सीएमओ ने जानकारी देते हुए बताया कि वैसे तो डायरिया तीन तरह का होता है, लेकिन बच्चे अधिकतर वायरल डायरिया की चपेट में आते हैं। इससे बचने के लिए साफ-स्वच्छ पेयजल का ही प्रयोग करना चाहिए। इसमें पानी उबालकर, छानकर अथवा फिल्टर किया हुआ होना चाहिए। खाना और फल सब्जियां भी ताजा होनी चाहिए।

कनीना नपा के उप प्रधान का चुनाव आगामी तिथि निर्धारित होने तक स्थगित

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना में नगरपालिका चुनाव के करीब डेढ माह बाद उप प्रधान पद के चयन की कवायद तेज हो गई है। बता दें कि इस बार नपा प्रधान पद के लिए सीधा चुनाव हुआ था। यह पद महिला के लिए रिजर्व किया गया था। जिसमें डॉ रिंपी कुमारी ने अपनी प्रतिद्वंदी सुमन यादव को 566 मतों से पराजित किया था। उप प्रधान पद का चुनाव चुने गए मेंम्बरों द्वारा किया जाना है। जिसकी प्रक्रिया जारी है। इस बारे में चुनाव अधिकारी एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि 15 अप्रैल को ये चुनाव निर्धारित किए गए थे लेकिन अपरिहार्य कारणों से नहीं करवाए जा सके। चुनाव स्थगित होने के बाद अब दुबारा से चुनाव की तिथि निर्धारित की जाएगी। इस बारे में नपा चेयरपर्सन डॉ रिंपी कुमारी, वार्ड एक से पार्षद मंजू देवी, दो से दीपक चोधरी, तीन से उषा देवी, चार से रेखा देवी, पांच से राजकुमार, छह से राकेश कुमार, सात से राजेश देवी, आठ से पूजा देवी, नो से नितेष गुप्ता, 10 से योगेश कुमार, 11 से होशियार सिंह, 12 से सुमन देवी, 13 से सूबेसिंह व 14 से राजेंद्र सिंह सहित क्षेत्र के लोकसभा सांसद चो धर्मबीर सिंहव अटेली हलका विधायक एवं मंत्री आरती सिंह राव को सूचना भजी गई है।

ध्यानार्थ:

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक के मरीजों को किया गया विशेष पोषाहार वितरण

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। जिला रैड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा संचालित अन्नदान- महादान मुहिम के तहत विक्रम सिंह उपायुक्त एवम अध्यक्ष ज़िला रैड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के मार्गदर्शन मे रेडक्रॉस भवन सेक्टर 12, फरीदाबाद मे जिला रेड क्रॉस सोसायटी फरीदाबाद और लायंस क्लब फरीदाबाद डैफोडिल के सयुंक्त तत्वावधान में आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक के मरीजो को विशेष पोषाहार वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित अनिल अरोडा, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायंस क्लब फरीदाबाद ने ज़िला रैड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा संचालित मुहिम को बहुत ही सार्थक बताते हुए तपेदिक के रोगियों से अपील करते हुए कहा कि तपेदिक रोग लाइलाज नही है यदि इसकी पूरी दवाइयों का सेवन पूर्ण रूप से किया जाए। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया की जिला रेड क्रॉस सोसाइटी जब भी टी बी के रोगियों के लिए ऐसा कोई कार्यक्रम करेगी तो लायंस क्लब फरीदाबाद डैफोडिल सदैव अपना सहयोग देगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विषय विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन एवं आजीवन सदस्य रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद डॉ एम पी सिंह ने शिरकत की । सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि डॉ एम पी सिंह ने अपने सम्बोधन मे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री मंत्री जी का सपना है कि वर्ष 2025 तक भारतवर्ष को टी बी मुक्त बनाना है तथा सभी प्रधानमंत्री जी के सपने को सभी समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से ही पूर्ण किया जा सकता है अत: इस मुहिम को सार्थक करते हुए फरीदाबाद की स्वयमसेवी संस्था अहम भूमिका निभा रही है। लायंस क्लब के सदस्य एस एम नागपाल एवं सुरेश शर्मा के द्वारा बताया गया कि तपेदिक के लक्षणों की पहचान करके तत्काल प्रभाव से इलाज बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी तपेदिक रोगियों को विशेष पोषाहार लेने पर बल दिया तथा खाने में उन फल और सबजियों को शामिल करें जो कि आपको अंदर से सेहतमंद रखें और शरीर की ताकत बढ़ाए। सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव बिजेन्द्र सौरोत ने बताया कि तपेदिक की बीमारी बहुत ही खतरनाक बीमारी है, परन्तु लाइलाज नहीं है इस बीमारी का सफल इलाज यही है कि समय पर दवाइयां तथा पौष्टिक आहार ले और समय-समय पर अपनी जांच कराए। उन्होने बीमारी से बचाव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह रोग एक खतरनाक संक्रामक रोग है सही समय पर इसका ईलाज नहीं होने पर यह जानलेवा हो सकती है। इसलिए अपने आप को इस बीमारी की चपेट में आने से बचाने के लिए आपको इसके बारे में पूरी जानकारी होना बहुत जरूरी है। जिससे आप खुद व अपने परिवार को इस जानलेवा रोग की चपेट में आने से बचा सकें।

विश्व विरासत दिवस पर अग्रवाल कॉलेज के इतिहास विभाग के इंटैक यंग द्वारा हेरिटेज वॉक का किया गया आयोजन

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। 18 अप्रैल को अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ के इतिहास विभाग के इंटैक यंग हेरिटेज क्लब द्वारा विश्व विरासत दिवस के अवसर महाविद्यालय से रानी की छतरी, बल्लबगढ़ तक हेरिटेज वॉक निकाली गई। हेरिटेज वॉक को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० संजीव कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक करती। इस रैली में महाविद्यालय के बी.ए. की इतिहास विषय के अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया। अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि हमारे पूर्वजों और पुराने समय की धरोहरों को संजोकर रखने वाली इस अनमोल विरासत की कीमत को ध्यान में रखकर ही संयुक्त राष्ट्र की संस्था युनेस्को ने वर्ष 1983 से हर साल 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस मनाने की शुरुआत की थी। इससे पहले हर साल 18 अप्रैल को विश्व स्मारक और पुरातत्व स्थल दिवस के रुप में मनाया जाता था पर युनेस्को ने हमारे पूर्वजों की दी हुई विरासत को अनमोल मानते हुए फिर इस दिवस को विश्व विरासत दिवस के रुप में बदल दिया। इतिहास विभागाध्यक्ष व क्लब के संयोजक डा. जयपाल सिंह जी ने अपने संबोधन में सभी छात्राओं को इंटैक क्लब की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होने के लिए कहा और विश्व विरासत दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि पूरे विश्व में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाई जा सके यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। इतिहास विभाग की प्रवक्ता गौरव गुप्ता ने बताया कि अग्रवाल कॉलेज के इंटैक क्लब में अनेक छात्राएँ हैं, जो भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने का संकल्प लिए हुए हैं और महाविद्यालय का यह क्लब वर्ष 2009 से निरंतर विभिन्न प्रतियोगिताओं व शैक्षणिक भ्रमण द्वारा युवा पीढ़ी को भारत की ऐतिहासिक विरासतों व भारत के गौरवमयी इतिहास, सभ्यता व संस्कृति का ज्ञान करा रहा है। इस अवसर पर 26 विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए ऐतिहासिक विरासतों को संरक्षण हेतु अनेक जोशीले नारे लगाते हुए लोगों को ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरुक किया।

एक शाम भक्त और भगवान के नाम

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। समस्त भक्तजन परिवार बल्लभगढ़ द्वारा शनिवार 19 अप्रैल 2025 को शाम 6:00 बजे से एक शाम भक्त और भगवान के नाम से श्री श्याम प्रभु का संकीर्तन महोत्सव सरस्वती विद्या निकेतन स्कूल, भगत सिंह कॉलोनी, बल्लभगढ़ में आयोजित किया जा रहा है समस्त भक्तजन परिवार के मुख्य सदस्य विक्की अनेजा ने बताया की संकीर्तन श्री अजय पुजारी जी निज मंदिर सालासर बाला जी धाम से व श्री श्याम भक्त राहुल शर्मा सन्नी भैया जी श्याम दरबार फरीदाबाद के पावन सानिध्य में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जयपुर से आयुष सोमानी, दिल्ली से भावना स्वरांजली, फरीदाबाद से मनीष श्याम लाडला, सूरज, जयपुर से अभिषेक नामा व बल्लबगढ़ से वेद वशिष्ठ जी मंच संचालक करेंगे आये हुए भक्तों के लिए भव्य दरबार, छप्पन भोग, अखंड ज्योति, आलौकिक श्रृंगार के साथ बाबा का दरबार सजाया जाएगा जिसमें सभी भक्तजन बाबा के दर्शन पाकर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

घर के बाहर ऊंची आवाज में गाने बजाने और लडाई झगडा करने वाला आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दें कि मंजू वासी एनआईटी फरीदाबाद ने थाना कोतवाली में दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके भाई के घर पास नरेश व उसका बेटा अभय तेज आवाज मे म्युजिक बजाकर शोर शराबा कर रहे थे। जब उसके भाई ने उनको रोकने की कोशिश की तो उनके साथ गाली गलौच की और वहां से चले गये। जिसके कुछ देर बाद नरेश अपने दोनों बेटो के साथ वापिस लौटा और घर पर ईट पत्थर मारने लगा, जब उसके भाई ने दरवाजा खोला तो आरोपियों ने घर के अंदर घुसकर उन्हे मारना शुरू कर दिया। जिस शिकायत पर थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बतलाया कि पुलिस थाना कोतवाली की टीम ने आरोपी अभय वासी टाउन नंबर 1 एनआईटी को गिरफ्तार किया है।

पुछताछ में सामने आया कि आरोपी व उसका पिता नरेश का शिकायतकर्ता के भाई जगदीश चोपड़ा के साथ कुछ पैसे का लेन देन था। जिस संबंध में वह और उसका पिताजी रात के समय उसके घर के सामने गये थे। उन्होंने शराब पर रखी थी तथा तेज आवाज में गाड़ी में गाने बजा रखे थे, वहां पर जगदीश चोपड़ा से गाली गलौज की तथा मारपीट की और फिर अपने भाई को बुलाकर दोबारा से झगड़ा किया। झगड़ा में प्रयोग की गाड़ी को बरामद किया गया है। आरोपी को पुछताछ के बाद माननीय अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी पिता नरेश को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सफाई एक वर्ग की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य : कृष्णपाल गुर्जर

केंद्रीय राज्य मंत्री ने डॉ भीम राव आंबेडकर के जन्मोत्सव से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा में निभाई सहभागिता

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज शुक्रवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वच्छता अभियान में सहभागिता निभाते हुए सेक्टर-28 की मार्किट में स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई की शुरुआत की। उन्होंने सडक़पर फैली गंदगी को एकत्र कर रिक्शा के माध्यम से कचरा स्थानांतरण केंद्र तक भिजवाया, जिससे उन्होंने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देशभर में डॉ. अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई जा रही है। जहां उन्हें संविधान निर्माता के रूप में पहचाना जाता है, वहीं यह जानना जरूरी है कि वे स्वच्छता के भी सशक्त प्रवक्ता थे। उनका मानना था कि सफाई केवल शरीर या वातावरण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि सामाजिक सोच और व्यवस्था की भी शुद्धता आवश्यक है। उन्होंने यह महसूस किया कि समाज में सफाई का काम एक वर्ग विशेष तक सीमित कर दिया गया है, जो कि एक अन्यायपूर्ण परंपरा है। उनका विचार था कि जब तक स्वच्छता की जिम्मेदारी समान रूप से नहीं निभाई जाएगी, तब तक समाज में बराबरी संभव नहीं। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने स्वच्छता कर्मियों को समाज की 'रीढ़ की हड्डी' माना और कहा कि जो कार्य सभी के लिए जरूरी है, उसे हेय दृष्टि से देखना एक सामाजिक भूल है। उन्होंने बार-बार ज़ोर दिया कि स्वच्छता एक साझा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व है और इसमें हर नागरिक को भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा है कि स्वच्छ भारत अभियान उन्हीं की प्रेरणा से आरंभ हुआ। इस अभियान के तहत रक्तदान शिविर, विचार गोष्ठियों और जनजागरूकता भी आयोजन जारी रहेंगे। आज जब हम स्वच्छता की बात करते हैं, तो यह ध्यान रखना आवश्यक है कि डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण केवल शारीरिक सफाई तक सीमित नहीं था, बल्कि उनका सपना एक ऐसा समाज था जो समता, न्याय और स्वच्छता के आदर्शों पर आधारित हो। स्वच्छता अभियान के दौरान एनआईटी विधायक सतीश फागना, पार्षद अनिल नागर, सहित एमसीएफ के अधिकारी व कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद की झीलों को लेकर पुलिस ने जारी की एडवाईजरी

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। प्राय: देखने में आया है कि एन.आई.टी क्षेत्र मे बनी सिरोही झील, बडखल झील व डैथ वैली झील सूरजकुंड में नहाने के दौरान पानी में डूबने से युवाओ की मौत हो रही है। जिस पर पुलिस उपायुक्त एन.आई.टी कुलदीप सिंह द्वारा एन.आई.टी जोन मे बनी इन झील मे नही नहाने बारे स्थानीय व बाहरी क्षेत्र से आने वाले लोगों को सावधान किया गया है। गर्मी के मौसम मे झीलों का पानी साफ व ठंडा होने की वजह से स्थानीय व दिल्ली/गुरुग्राम के युवा पानी मे नहाने उतर जाते है, झील की स्तह चिकनी होने के कारण नहाने वाला पुरुष/युवा झील के गहरे पानी मे चला जाता है और वहाँ गहरे पानी मे जाने से वह डूब जाता है।

इन झीलों में पानी में डूबने से मृत्यु होने के कई हादसे हो चुके है। इन स्थानों पर स्थानीय पुलिस कर्मचारियों की डयुटी भी लगी गई है परन्तु यहाँ पर पुरुष/युवा, दायें /बाँये से पानी में नहाने उतर जाते है जिससे आये दिन हादसे हो रहे है। स्थानीय लोगो से पता चला है कि इन झीलों मे मगरमछ भी देखे गये है जो यहाँ नहाने वाले पुरुष/युवा के खा सकते ।

आप सभी से निम्नलिखित बातों का पालन करने का अनुरोध है:

इन झीलो में ना नहायें चुंकि जल की गहराई, कीचड़, फिसलन या तेज़ धारा जानलेवा हो सकती हैं। स्टंट या बार-बार कूदना जानलेवा है। मस्ती के चक्कर में किसी की जान भी जा सकती है। जीवन अमूल्य है। बच्चों और किशोरों पर विशेष ध्यान दें। वे अक्सर साथियों के उकसाने पर खतरनाक कदम उठा सकते हैं। उन्हें समझाएं और रोकें। सीसीटीवी निगरानी और पुलिस पेट्रोलिंग झीलों के आस-पास की जा रही है। यदि कोई व्यक्ति चेतावनी के बावजूद जल स्त्रोतों में उतरता है, तो वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

डूबते हुए व्यक्ति को देखें तो तुरंत सहायता के लिए कॉल करें:

पुलिस हेल्पलाइन: 112, आपातकालीन सेवा: 112

स्थानीय थाना:- प्रबंधक थाना धौज 9582200157, प्रबंधक थाना सुरजकुंड 9582200127

बैनर, बोर्ड और चेतावनी संकेतों का पालन करें। यह आपकी सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं।

बच्चे की मौत के बाद प्रशासन ने प्ले स्कूल कराया बंद

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। फरीदाबाद के आर्मी पबलिक प्ले एवं क्रैच स्कूल में डेढ़ साल के बच्चे की मौत के बाद उक्त प्ले स्कूल को प्रशासन ने बंद करा दिया है। शुक्रवार को मौके पर पहुंची एसडीएम शिखा आंतिल ने पल्ला थाना प्रभारी रणवीर को स्कूल संचालक के खिलाफ कार्रवाही करने के आदेश दिए है। स्कूल के प्रशासन की तरफ से सील कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाही की जा रही है। गौरतलब है कि फरीदाबाद के पल्ला इलाके में 50 गज के मकान में आर्मी पबलिक प्ले एवं क्रैच स्कूल बनाया गया है। यह मकान 3 मंजिल का बना हुआ है। इस स्कूल में 103 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ मिला है। 50 गज के इस छोटे से मकान में बच्चों को मुर्गी फार्म की तरह रखा जाता था। निरीक्षण के दौरान अधिकतर छोटे बच्चे यहां पर सोते हुए मिले। इस स्कूल में कोई टीचर नही था। केवल बच्चों के लिए एक सेविका को रखा गया था। जो छोटे बच्चों को संभालने का काम करती थी। इस स्कूल में एक अप्रैल को एक डेढ़ साल के एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बच्चे की मौत के बाद गुरुवार को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने इस स्कूल का औचक निरीक्षण किया। कमेटी के सदस्य सुनील यादव , काउंसलर अर्चना व जिला बाल संरक्षण इकाई से अर्पणा स्कूल की हालत देखकर दंग रह गए। टीम को अधिकतर बच्चे अंधेरे कमरे में सोते हुए मिले। बच्चों ने टीम के पहुंचने पर कोई हरकत नही की जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया। कमेटी के सदस्यों ने बच्चों को नींद से उठाकर उनसे जानकारी हासिल करनी शुरू की। बच्चों की उम्र बहुत कम थी जिसके चलते बच्चों से ज्यादा जानकारी नही मिल पाई। स्कूल के द्वारा बनाए गए रजिस्टर और मौके पर मौजूद सेविका से जानकारी लेने पर पता चला कि ,इस स्कूल में 103 बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। 18 बच्चे स्कूल में ही नाइट स्टे करते है। स्कूल में कोई शिक्षक नही है। स्कूल के अंदर बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नही किया गया है। स्कूल के संचालक पंकज ने मामले को बिगड़ता देख चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्यों से उलझना शुरू कर दिया। जिसके बाद पुलिस को मौके पर बुला लिया गया। मामले क जानकारी मिलने पर एसडीएम सीखा अंतिम और जिला बाल सरंक्षण अधिकारी गरिमा तोमर की मौके पर पहुंची गई। जांच में पता चला कि पिछले 7 साल से यह स्कूल चलाया जा रहा था। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने सभी बच्चों के अभिभावकों को बुलाकर उनके बच्चों को सौंप दिया।

टीम ने बीती देर रात 15 बच्चों को मेडिकल भी कराया और स्कूल में पढने. वाले 7 वर्षीय विराज दत्त की तबीयत बिगडने. के बाद उसको बादशाह खान सिविल अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

फ्री होम डिलीवरी, अखबार की कटिंग साथ लाने पर 10 प्रतिशत की छूट
संपर्क करें: 9811153271